DATE 7.10.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश, 'पर्यायवाची शब्द')

पुस्तक- वीवा हिंदी व्याकरण-8

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

यह कार्य आपको 7.10.24 को भेजा जाएगा। आप अपनी हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा भाग-8 के पृष्ठ-18 को खोलकर रखें और पढ़ने को तैयार हो जाएँ। वैसे तो हमने पिछले सत्र में भी अपठित गद्यांश को पढ़ा था, आज हम फिर से इसे पढ़ेंगे।

अपठित गद्यांश से अभिप्राय गद्य के उस अंश से है, जो पाठ्य पुस्तक में पहले न पढ़ाया गया हो। परीक्षा में कोई अपठित गद्यांश देकर उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं, जो बहुविकल्पी या सीधे उत्तर वाले हो सकते हैं। हम अपठित गद्यांश की परिभाषा इस प्रकार दे सकते हैं—

किसी निबंध, लेख, जीवनी आदि का ऐसा अंश, जो पहले पढ़ा न गया हो, 'अपठित गद्यांश' कहलाता है।

* अपठित गद्यांश से छात्रों की बौद्धिक गहराई, सामान्य ज्ञान तथा स्वतंत्र अध्ययन की परीक्षा होती है।
* अपठित गद्यांश को हल करने के लिए गद्यांश को कम से कम दो-तीन बार पढ़ना चाहिए और मूलभाव को समझने की कोशिश करनी चाहिए।
* गद्यांश में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में कोई भी विचार अपनी ओर से न मिलाएँ।
* गद्यांश का शीर्षक संक्षिप्त हो जिससे उसका मूल भाव स्पष्ट हो जाए।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछ लेती हूँ जोकि अपठित गद्यांश पर आधारित होंगे। प्रश्न मैं पढ़ाते समय ही पूछूँगी।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

7.10.24

DATE
PAGE No. 2

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश) 'पर्यायवाची शब्द'

बच्चो ! इस गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

चित्तौड़ में संग्रामसिंह के बड़े पुत्र विक्रमादित्य का राज था जो योग्य नहीं था इसलिए चारों ओर अशांति थी। चित्तौड़ के बड़े-बूढ़े सरदारों ने विक्रमादित्य के स्थान पर बनवीर नामक एक सरदार को कुछ समय तक शासन चलाने का उत्तरदायित्व सौंपा, क्योंकि राजगद्दी का असली वारिस संग्रामसिंह का छोटा बेटा उदयसिंह अभी मात्र छह वर्ष का ही था। उदयसिंह के माता-पिता का देहांत हो चुका था। उसकी माता ने अपनी मृत्यु से पूर्व अपने पुत्र का हाथ उसकी देखभाल करने वाली धाय-पन्ना के हाथ में सौंपा था। पन्ना ने उदयसिंह की जीवन-रक्षा की प्रतिज्ञा की। कुछ दिनों बाद बनवीर के मन में सिंहासन का लालच आ गया और उसने चित्तौड़ का असली शासक बनने की योजनाएँ बनानी शुरू कर दीं। एक दिन उसने मौका पाकर पहले तो विक्रमादित्य की हत्या कर दी और फिर उदयसिंह के महल की ओर चल पड़ा। पन्ना को इस बात की सूचना मिली। संकट की इस घड़ी में उसने कुछ क्षण सोचा और अपना कर्त्तव्य निश्चित कर लिया। पन्ना का अपना पुत्र चंदन भी उदयसिंह की आयु का ही था।

चंदन और उदयसिंह दोनों सो रहे थे। पन्ना ने एक सेवक से उदयसिंह को टोकरी में छिपाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने को कहा और वहीं उसकी प्रतीक्षा करने को कहा। पन्ना ने अपने पुत्र चंदन को उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया। थोड़ी देर में बनवीर आया तथा उसने चंदन को उदयसिंह समझकर उसकी हत्या कर दी। पन्ना ने दृढ़तापूर्वक सब कुछ सहन कर लिया। अपने पुत्र का अंतिम संस्कार करने के बाद वह उदयसिंह को लेकर कमलनेर के किलेदार आशाशाह के पास पहुँची और उन्हें सारी घटना कह सुनाई। आशाशाह ने उदयसिंह को अपने पास रखना स्वीकार कर लिया। सोलह वर्षों तक उदयसिंह वहीं रहा। किसी को भी इस घटना का पता नहीं चला। बाद में उदयसिंह को चित्तौड़ का शासक बनाया गया। इस अवसर पर पन्ना को 'राजमाता' का सम्मान दिया गया।

प्रश्न

1. बनवीर कौन था ? उसे शासन चलाने का उत्तरदायित्व क्यों सौंपा गया ?
2. बनवीर ने चित्तौड़ का असली शासक बनने के लिए क्या योजना बनाई ?
3. पन्ना कौन थी ? उसने उदयसिंह के प्राणों की रक्षा किस प्रकार की ?
4. उदयसिंह का पालन-पोषण किसने किया ?
5. दिए गए शब्दों में उपयुक्त उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग करके सार्थक शब्द बनाएँ-

   सहन, योग्य

बच्चो ! यह गद्यांश आपको अच्छी तरह से समझ में आ गया होगा। अब हम इनके उत्तर जानेंगे।

उत्तर-1. चित्तौड़ में महाराजा संग्रामसिंह के दरबार में

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No. 3

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश)

बनवीर नाम का सरदार था। महाराणा संग्रामसिंह की मृत्यु के बाद उनके बड़े बेटे विक्रमादित्य राज चलाने योग्य नहीं थे और उनका छोटा बेटा मात्र 6 वर्ष का था। अतः बड़े-बूढ़े सरदारों ने बनवीर को कुछ समय तक शासन चलाने का उत्तरदायित्व सौंपा।

उत्तर-2 बनवीर ने चित्तौड़ का असली शासक बनने के लिए अपनी योजना अनुसार एक दिन मौका पाकर पहले उसने विक्रमादित्य की हत्या कर दी फिर वह उदयसिंह की हत्या करने उनके महल की ओर बढ़ा। जहाँ उसने पन्ना धाय के पुत्र चंदन की हत्या उदयसिंह समझकर कर दी।

उत्तर-3 पन्ना उदयसिंह की धाय माता थी। पन्ना ने एक विश्वास-पात्र सेवक की मदद से एक टोकरी में छिपाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचा कर उदयसिंह के प्राणों की रक्षा की।

उत्तर-4 सर्वप्रथम उदयसिंह का पालन-पोषण पन्ना धाय ने किया। बाद में कमलनेर के किलेदार आशाशाह ने सोलह वर्ष तक उदयसिंह की देख-भाल कर उनकी रक्षा की।

उत्तर-5 'सहन' और 'योग्य' दोनों में उपसर्ग, प्रत्यय।
'असहनीय' और 'अयोग्यता' है।

बच्चो! अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य:- नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखें-

Scanned with CamScanner

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा

विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश)

नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

एक बार रोम का राजा एक भीषण रोग से पीड़ित हो गया। उस समय देश-विदेश के प्रख्यात एवं निष्णात चिकित्सक राजा के दरबार के लिए बुलाए गए। किन्तु अच्छी से अच्छी औषधियों के प्रयोग से भी वे राजा के रोग का निदान न कर सके। राजा का रोग पहले की अपेक्षा और बढ़ता चला गया। असाध्य रोग के कारण राजा के हृदय में विकलता और राज्य में उदासी छा गई।

एक दिन एक वृद्ध पुरुष राजा के प्रासाद में आया और उसने रोग-ग्रस्त राजा से कहा—"राजन्! एक विशेष औषधि के सेवन से आपका रोग ठीक हो सकता है। यह विशेष औषधि किसी अन्य व्यक्ति के पित्ताशय (पित्त की थैली) से तैयार की जाती है। यह औषधि आपके रोग को मूल से उखाड़ने की क्षमता ही नहीं रखती अपितु आपको चिरंजीवी भी बना सकती है।"

वृद्ध के वचनों को सुनकर राजा के निराश मन में आशा का संचार हो गया। उसने वृद्ध के प्रति मन ही मन कृतज्ञता अभिव्यक्त करते हुए राज्य के चिकित्सकों को एक ऐसे व्यक्ति को तलाश करने का आदेश दिया जिसके पित्त की थैली से वह औषधि बनाई जा सके। अन्ततः चिकित्सकों को एक ऐसा परिवार मिल गया जिसे आर्थिक तंगी के कारण भरपेट भोजन भी उपलब्ध नहीं होता था। इस परिवार में केवल तीन सदस्य थे—एक लड़का और उसके माता-पिता। चिकित्सकों ने लड़के के माता-पिता को प्रभूत धन का प्रलोभन देकर उनके एकमात्र पुत्र को खरीदने का प्रस्ताव रखा। ,धन की लालसा ने माता-पिता की आँखों पर पर्दा डाल दिया। उनकी दृष्टिं में धन-मोह के सम्मुख पुत्र-मोह फीका पड़ गया और उन्होंने अपने घर के दीपक को चिकित्सकों के हाथ बेच दिया।

चिकित्सक लड़के को राजा के सामने लेकर आए। राजा ने लड़के की पित्त की थैली को लेने के विषय में राज्य-पुरोहित से विचार-विमर्श किया। पुरोहित ने कहा—"राजन्! यद्यपि देश सर्वोपरि होता है, किन्तु उसका शासक उससे भी बड़ा होता है, क्योंकि वह देश की रक्षा करता है तथा अहर्निश उसकी समृद्धि के लिए प्रयास करता है। ऐसे शासक के लिए किसी भी व्यक्ति के जीवन की बलि देना कोई अपराध नहीं है।"

पुरोहित के वचनों को सुनकर लड़के को राजा के सम्मुख खड़ा कर दिया गया। जल्लाद भी तलवार लेकर वहाँ आ पहुँचा। चिकित्सक औषधि तैयार करनेवाले उपकरणों को लेकर वहाँ खड़े हो गए। अब राजा के आदेश की प्रतीक्षा थी। उसी क्षण लड़का आकाश की ओर देखकर जोर-जोर से हँसने लगा। उसे हँसते देख सम्राट ने लड़के से हँसने का कारण पूछा। लड़के ने कहा—" जिस देश में माँ-बाप धन के लिए सन्तान

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE NO 5

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (अपठित गद्यांश)

को बेचें, पुरोहित निरपराध मनुष्य की हत्या को उचित ठहराएँ, देश और प्रजा की रक्षा करनेवाला शासक निर्दोष प्राणी की जान लेकर अपनी जान बचाए, वहाँ ऊपर वाले के न्याय पर ही भरोसा करना पड़ेगा।"

लड़के की बातों को सुनकर सम्राट् की आँखें खुल गईं। उसे अपनी भूल पर पश्चात्ताप होने लगा। उसका मन ग्लानि से भर गया। उसके अन्तस्तल में मानवता के अंकुर फूट पड़े। उसने जल्लाद को वापस कर दिया।

प्रश्न :-

(1) राजा को रोग से छुटकारा दिलाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए गए? उन प्रयासों का क्या परिणाम निकला ? उसके बाद राजा और प्रजा की क्या दशा हुई ?

(2) राजा के प्रासाद में कौन आया ? उसने किस औषधि का सुझाव दिया ? उसको बनाने का क्या तरीका बताया ? उस औषधि के गुणों का उल्लेख कीजिए।

(3) उस व्यक्ति के वचनों को सुनकर राजा को कैसा अनुभव हुआ ? उसके प्रति राजा ने क्या किया ? उसके बाद राजा ने किसको क्या आदेश दिया ?

(4) राजा के व्यक्तियों को तलाश करने पर कैसा परिवार मिला ? उस परिवार में कौन-कौन सदस्य थे ? राजा के व्यक्तियों ने उस परिवार को क्या प्रलोभन दिया ? प्रलोभन का उस परिवार पर क्या प्रभाव हुआ ? फिर उस परिवार ने क्या किया ?

(5) राजा और पुरोहित में किस बात पर विचार-विमर्श हुआ ? पुरोहित ने राजा को क्या सलाह दी ? उसके बाद दरबार में क्या घटनाएँ घटीं?

(6) राजा ने लड़के से क्या पूछा ? लड़के ने क्या उत्तर दिया ? उसके उत्तर का राजा पर क्या प्रभाव पड़ा ? उसके बाद राजा ने क्या किया?

सब बच्चे इस दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे व प्रश्नोत्तर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

अंतिम पृष्ठ - 5

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec.33-B, CHD.

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिन्दी व्याकरण ('पर्यायवाची शब्द')
पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 8

प्यारे बच्चो! सुप्रभात।
आज हम कक्षा आठवीं की पुस्तक वीवा हिंदी व्याकरण के पृष्ठ 147-148 पर दिए 'पर्यायवाची शब्दों' को पढ़ेंगे।

बच्चो! पिछले सत्र में हमने पृष्ठ - 147 से 148 पर दिए 'आकाश से देरा' तक के 'पर्यायवाची शब्द' पढ़ लिए थे। आज फिर से आगे लिखे इन 'पर्यायवाची शब्दों' के बारे में पढ़ेंगे। 'पर्यायवाची' शब्द दो शब्दों के मेल से बना है, 'पर्याय' + वाची। 'पर्याय' का अर्थ है काफ़ी। 'वाची' का अर्थ बोले जाने वाले। 'काफ़ी शब्द' जो एक समान अर्थ रखने वाले हैं। ये शब्द 'समानार्थी' होते हुए भी सूक्ष्म अंतर रखते हैं। अतः इनका वाक्य में प्रयोग करते समय थोड़ा ध्यान रखना पड़ता है। यह अंतर मैंने पिछले सत्र में भेजे गए 'पर्यायवाची शब्दों' में स्पष्ट किया हुआ है।

* सब बच्चे ध्यान दें। पुस्तक में दिए 'पर्यायवाची शब्दों' में कुछ अशुद्धियाँ हैं जिन्हें ठीक करके लिखा गया है। अतः सब बच्चे इस भेजे गए कार्य से पुस्तक में दी गई अशुद्धियों को ठीक करेंगे।

अब कुछ 'पर्यायवाची शब्द' जो पृष्ठ - 147-148 पर दिए हैं उन्हें पढ़ेंगे और लिखेंगे।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

कक्षा- आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) "धरती" से "तक

शब्द	पर्यायवाची
1. धरती -	धरा वसुधा, भू, वसुंधरा, अवनि, अचला, मही
2. वन -	अरण्य, कानन, विपिन, अटवी, दावा, कांतार, विजन
3. घर-	गृह, आलय, निकेत, सदन, आवास, निवास, गेह, भवन
4. बगीचा -	उपवन, वाटिका, बगिया, उद्यान, फुलवारी
5. पानी -	जल, वारि, नीर, अंबु, तोय, उदक, सलिल

अब बच्चो! मैं आपसे विषय से संबंधित प्रश्न पूछूँगी। इनके उत्तर लिखने के लिए यहाँ आप तीन मिनट का समय लेंगे।

प्रश्न-1. 'पत्थर' शब्द के 'पर्यायवाची शब्द' लिखो।
प्रश्न-2. "पर्यायवाची" को और किस नाम से पुकारते हैं?
प्रश्न-3. 'नमस्कार' शब्द के अन्य नाम भी लिखो।

बच्चो! अब आपके उत्तर लिखने का समय समाप्त हुआ। आशा है आपने इन प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। इन पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं—

उत्तर-1. 'पत्थर' के पर्यायवाची शब्द इस प्रकार हैं- पाषाण, पाहन, प्रस्तर, अश्म।
उत्तर-2. 'पर्यायवाची शब्द' को समानार्थक शब्द के नाम से पुकारते हैं।
उत्तर-3. 'नमस्कार' के अन्य नाम नमन, प्रणाम, अभिवादन, नमस्ते हैं

बच्चो! अब हम विषय को आगे बढ़ाते हुए पढ़ते हैं।

शब्द	पर्यायवाची
6. तालाब -	सर, सरोवर, ताल, पोखर, तड़ाग, जलाशय

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No 3

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द) 'धरती सेकृषक'तक

शब्द	पर्यायवाची

7. किनारा - तट, तीर, कूल, कगार, साहिल

8. रात - रात्रि, निशा, रजनी, विभावरी, यामिनी, यामा, शर्वरी

9. बादल - जलद, नीरद, वारिद, पयोद, अंबुद, मेघ, घन

10. सुगंध - खुशबू, सौरभ, सुरभि, महक

11. प्रकाश - ज्योति, आलोक, प्रभा, दीप्ति, आभा,

12. ईश्वर - प्रभु, ईश, भगवान, जगदीश, परमात्मा, परमेश्वर

13. अमृत - पीयूष, सुधा, सोम, अमी, अमिय

14. कपड़ा - चीर, वस्त्र, अंबर, पट, वसन

15. तलवार - असि, खड्ग, चंद्रहास, कृपाण, करवाल, शायक, शमशीर

16. स्वतंत्रता - आज़ादी, स्वाधीनता, मुक्ति

17. वायु - समीर, हवा, पवन, अनिल, वात, मारुत

18. पंछी - पक्षी, खग, विहग, पखेरू, नभचर, खेचर, शकुनि

19. पुत्र - सुत, बेटा, तनय, आत्मज, तनुज, नंदन

20. सरस्वती - शारदा, भारती, वाक्देवी, श्वेतांबरा, वागीशा, वागीश्वरी

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

DATE 7.10.24
PAGE No. 4

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण (पर्यायवाची शब्द)

शब्द	पर्यायवाची शब्द ('धरती' से 'कृषक' तक)
२१. हाथ-	हस्त, कर, पाणि
२२. शक्ति-	ताकत, बल, विक्रम, पराक्रम, सामर्थ्य
२३. पत्थर-	प्रस्तर, पाषाण, उपल, अश्म, पाहन, शिला
२४. इच्छा-	कामना, अभिलाषा, मनोकामना, चाह, ईप्सा, लालसा
२५. सफ़ेद-	श्वेत, धवल, शुभ्र, उज्ज्वल, निर्मल
२६. कृषक-	किसान, खेतिहर, हलधर, कृषिजीवी, अन्नदाता

बच्चो! हमने 'धरती' से 'कृषक' तक के पर्यायवाची शब्द पढ़ लिए हैं। अब मैं आपको गृहकार्य करने को दे रही हूँ।

गृहकार्य :-
सब बच्चे कराए गए कार्य को अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे। आपने सभी पर्यायवाची शब्द 'धरती' से 'कृषक' तक लिखने हैं।

धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ-५)